The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research
An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 1 | Issue 1 | April-June 2023
Website: www.theacademic.in

वैश्विक विकास का भारतीय शिक्षा पर प्रभाव

डॉ. अंजना बसेड़ा
विभागाध्यक्ष, स्वामी विवेकानंद कॉलेज ऑफ़ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, हल्द्वानी, उत्तराखंड।

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Article History

Received : April 27, 2023

Accepted : June 20, 2023

Keywords :

वैश्वीकरण, विकास, शिक्षा, भारतीय शिक्षा, राष्ट्र

ABSTRACT

वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सभी राष्ट्र एकजुट होकर वैश्विक स्तर पर विकास के लिए प्रयासरत है। वर्तमान समय में अगर इसका प्रभाव भारत में देखा जाए तो किसी एक क्षेत्र मे नही अपितु समाज के विभिन्न क्षेत्रो में देखने को मिल रहा है। उदाहरणार्थ महिला सशक्तिकरण, उद्योग तकनीकी, शिक्षा इत्यादि। हम यह पूर्णतया नहीं कह सकते कि वैश्विकरण के केवल सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहे हैं इससे नकारात्मक पहलू भी निकल कर सामने आए हैं । व्यक्ति अपने विकास की प्रतिस्पर्धा के चलते अपने हितों को प्राथमिकता दे रहा है। शिक्षा का बाजारीकरण तेज़ी से बढ़ा है जिसका प्रभाव भारत पर भी पड़ा है।

प्रस्तावना

साधारण शब्दों में वैश्वीकरण एक सतत प्रक्रिया है जिसमें विश्व के संपूर्ण देश आपस में आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक रूप से अंतर्संबंध है जिससे संपूर्ण विश्व में एकरूपता व क्षेत्रीयता दोनों भावना का विकास होता है। यह ऐसी विचारधारा है जिससे प्रत्येक क्षेत्र चाहे तकनीकी हो या सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक सभी का विकास होता है। वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जो स्थानीय एवं क्षेत्रीय वस्तु या घटनाओं को विश्व स्तर पर रूपांतरण की प्रक्रिया को स्पष्ट करता है, जो संपूर्ण विश्व को आपस में मिलाकर एक वृहद समाज का निर्माण करता है। और पूर्ण सहभागिता के साथ अपने उद्देश्यो को पूर्ण करने हेतु कार्य करते हैं, जिससे पूरे विश्व का विकास एवं कल्याण हो, विशेषतया वे राष्ट्र जो आर्थिक रूप से कमजोर है उनका विकास समान

रूप से हो सके। वैश्विक विकास के लक्ष्यों में सतत विकास के 3 आयाम शामिल है आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, समावेशन व पर्यावरण संरक्षण। हाल के कुछ वर्षों के सदी मे महामारी और सदी के परिवर्तन आपस में जुड़े हुए हैं, परिणाम स्वरूप जिस गति से आर्थिक सुधार वह विकास होना चाहिए था वह अवरुद्ध हुआ है। संयुक्त राष्ट्र 2030 सतत विकास एजेंडे के कार्यालय में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

शिक्षा मानव पूंजी के निर्माण में एक महत्वपूर्ण साधन है जो तकनीकी नवाचार व आर्थिक विकास के लिए एक चालक है किसी भी राष्ट्र का चहुमुखी विकास तब तक संभव नहीं होता है जब तक वहां के समाज की शैक्षिक स्थिति में सुधार न लाया जाए। वैश्वीकरण के उपरांत शैक्षिक क्षेत्र में परिवर्तन आया है। प्रत्येक राष्ट्र की साक्षरता दर में वृद्धि पाई गई है।विदेशी विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग कर रहे हैं। वैश्वीकरण ई-लर्निंग, फ्लैक्सिबल लर्निंग, डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम व नवीन उपकरणों का प्रयोग औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा मिला है।

अध्ययन के उद्देश्य

मुख्य उद्देश्य वैश्वीकरण के दौर में शिक्षा के विकास को सामने को सामने लाना है। अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्नवत है-

1- वैश्वीकरण का अध्ययन करना ।
2- वैश्वीकरण के दौर में शिक्षा के विकास का पता लगाना ।
3- परंपरागत और आधुनिक वैश्विक स्थानीय शिक्षा के विषय में अध्ययन करना।
4- वैश्विक संघर्षों की वास्तविक तस्वीर दिखाना।

अध्ययन की सीमा

मेरे अध्ययन का विस्तार वैश्वीकरण के दौर में शिक्षा का विकास और समाज पर उसके प्रभाव तक सीमित है।

अनुसंधान क्रियाविधि

शोध अध्ययन में वर्णनात्मक ,व्याख्यात्मक, विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक विधियों का उपयोग करते हुए द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से वैश्वीकरण के काल में शिक्षा के विकास का अध्ययन किया गया है।

डेटा संग्रह

शोध अध्ययन के लिए प्राथमिक व द्वितीयक स्रोतों से डेटा एकत्र किया गया है, जिसका विश्लेषण किया गया है। द्वितीयक स्रोतों के रूप में वैश्वीकरण और शिक्षा पर संदर्भ पुस्तकों का अध्ययन किया गया है, जिससे पुरानी वह मूल जानकारी प्राप्त की गई है तथा माध्यमिक स्रोतो मे लेखको के कार्यो, महत्वपूर्ण शोध पत्रों, शोध निबंध ,शोध गंगा, ई-संसाधन, व अन्य वेबसाइट भी सम्मिलित है।

वैश्वीकरण और भारतीय शिक्षा

वर्तमान में हम वैश्वीकरण के युग में रह रहे हैं वैश्वीकरण को केवल वैश्विक व्यापार के रूप में ही नहीं देखा जा सकता है अपितु उसका क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। वैश्वीकरण आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि प्रत्येक क्षेत्र में हो रहे विकास को प्रभावित करता है। विशेषतौर पर इसका प्रभाव भारत जैसे विकास के लिए अग्रसर राष्ट्रो पर देखने को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो प्रत्येक राष्ट्र एक दूसरे पर निर्भर है। वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सभी राष्ट्र एकजुट होकर वैश्विक स्तर पर विकास के लिए प्रयासरत है। वर्तमान समय में इसका प्रभाव भारत में देखा जाए तो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है, उदाहरण के लिए महिला सशक्तिकरण, उद्योग तकनीकी, शिक्षा इत्यादि। हम यह पूर्णतया नहीं कह सकते हैं कि वैश्वीकरण से केवल सकारात्मक प्रभाव ही देखने को मिल रहे हैं इससे नकारात्मक पहलू भी निकलकर सामने आए हैं। यह व्यक्ति या राष्ट्र विकास की प्रतिस्पर्धा के चलते अपने हितों को प्राथमिकता दे रहा है वैश्वीकरण के माध्यम से महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि विवेकानंद जी के विचारों का अनुसरण करें तो उनका मानना था कि जिस देश में महिला सशक्त होगी शिक्षित होगी वह राष्ट्र विकास करेगा तो सर्वप्रथम महिला शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिससे वे सशक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकें, साथ ही साथ रोजगार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है जिसके लिए परंपरागत शिक्षा के साथ-साथ

तकनीकी शिक्षा को भी शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया जा रहा है जिससे पुरुष और महिलाएं दोनों रोजगार के अवसर प्राप्त कर सके और महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण कर सकें।

शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी विकास के साथ पाठ्यक्रम ,शिक्षण विधियों में भी परिवर्तन आया है शिक्षण मे तकनीकी का प्रयोग कर शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। व्यवसायिक शिक्षा को बढ़ावा दिया गया जिससे शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात युवा बेरोजगार नही अपितु स्वयं का रोजगार स्थापित करने के योग्य बन सके। वैश्वीकरण के पश्चात सबसे अधिक परिवर्तन औद्योगिक क्षेत्र में आया है। तेजी से उद्योगों का विकास हुआ है जिससे हमारी अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार के साथ-साथ युवा पीढ़ी को रोजगार प्राप्त हुआ है यह सब परिणाम शिक्षा में आए परिवर्तन के कारण ही संभव हो सका है।

निष्कर्ष

वैश्विक विकास एक महत्वपूर्ण व्यापक अवधारणा है। वैश्विक विकास का मुख्य उद्देश्य जनता के हितों को ध्यान में रखकर सभी क्षेत्रों का समान विकास है। इसका मूल मनुष्य और प्रकृति के सामंजस्य पूर्ण सहअस्तित्व का पालन करना है। वह मुख्य रूप से गरीबी को समाप्त कर खाद्य संबंधित सुरक्षा, महामारी से बचाव टीको का विकास, वित्तपोषण, जलवायु परिवर्तन व हरित विकास, औद्योगिकीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था आदि क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देता है। वैश्विक विकास से लाभ यह हुआ है कि भारत में विदेशी छात्र पढ़ाई के उद्देश से आ रहे हैं साथ ही भारत के भी विद्यार्थी विदेशों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। भारत में चिकित्सा शिक्षा के बढ़ते बाज़ार की मार से बचने के लिए भारतीय छात्र विदेशों से चिकित्सा शिक्षा कम धन खर्च करके ग्रहण कर रहे हैं।

संदर्भ-सूची

1. https://www.ijert.org/research/impact-of-globalization- on-indian-education-system-IJERTV2IS120367.pdf
2. Government of India (1997-2002). Approach Paper to the Ninth Five Year Plan: Planning Commission, New Delhi.

3. Green A. ‘Education, globalization, and the nation state’, in Lauder H, Brown P, Dillabough J, and Halsey A H (eds) Education, globalization and social change, Oxford: Oxford University Press, 2006
4. दैनिक समाचार पत्रः- अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, तथा जनवाणी (विभिन्न तिथियों से सम्बन्धित) ।